पाठ-17

महेश्वर

आइए, सीखें : ● महेश्वर का पुरातात्विक महत्व ● प्राचीन सभ्यता और संस्कृति की जानकारी ● समास, सन्धि ● वाक्यांश के लिए एक शब्द ● उपसर्ग/प्रत्यय ● पत्र-लेखन ● यात्रा वर्णन।

*(**पाठ-परिचय :** महेश्वर नगर भारत के प्राचीनतम नगरों में से है। यह नगर पुरातात्विक दृष्टिकोण से विशेष महत्व रखता है। इस नगर की खुदाई में पाषाण काल से लेकर मराठा काल तक की सभ्यता का पता चलता है। इस पाठ में महेश्वर की प्रसिद्धि के विषय में पत्र के माध्यम से जानकारी दी गई है।)*

महेश्वर
10.02.07

प्रिय मनोज और माधवी,

आशीर्वाद। पिछले दो दिन से मैं मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के महेश्वर नामक नगर में हूँ। नर्मदा नदी के किनारे बसा महेश्वर इन्दौर से लगभग 105 किलोमीटर दूर है। छोटा-सा नगर होने पर भी प्राचीन सभ्यता-संस्कृति और इतिहास की दृष्टि से महेश्वर एक महत्वपूर्ण स्थान है। यहाँ की खुदाई में पुरातात्विक महत्व की अनेक वस्तुएँ और अवशेष प्राप्त हुए हैं।

पौराणिक कथाओं के अनुसार महेश्वर का प्राचीन नाम माहेश्वरी अथवा माहिष्यमती था। इसे सूर्यवंश के राजा मान्धाता ने बसाया था। उनके बाद इस नगर पर कीर्तवीर्य सहस्त्रार्जुन का आधिपत्य हो गया। उसने इसे अपने हैहय साम्राज्य की राजधानी बनाया था। सहस्त्रार्जुन का अन्त भगवान परशुराम ने किया, क्योंकि सहस्त्रार्जुन ने परशुराम जी के पिता ऋषि जमदग्नि को मार डाला था। धीरे-धीरे यह स्थान इतिहास के गर्त में खो गया।

इन्दौर की महारानी अहिल्याबाई ने महेश्वर को एक बार फिर से प्रसिद्धि प्रदान की । उन्हें यह स्थान अत्यन्त प्रिय था। उन्होंने इस स्थान पर नर्मदा के तट पर एक किला और भगवान शिव का विशाल मंदिर बनवाया। यहाँ स्थित पवित्र शिवलिंग महेश्वर के नाम से प्रसिद्ध है। मन्दिर में महारानी अहिल्याबाई द्वारा प्रज्ज्वलित अखण्ड दीप में यहाँ आने वाले प्रत्येक दर्शनार्थी घी डालकर अपने आपको धन्य समझता है। यहाँ आने पर सभी को सुखद अनुभूति और शान्ति मिलती है।

शिक्षण-संकेत : ■ शिक्षक पत्र विधा की जानकारी दें ■ म.प्र. के विभिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक, प्रागैतिहासिक स्थानों की शिक्षक चर्चा करें ■ महेश्वर की विस्तृत जानकारी दें।

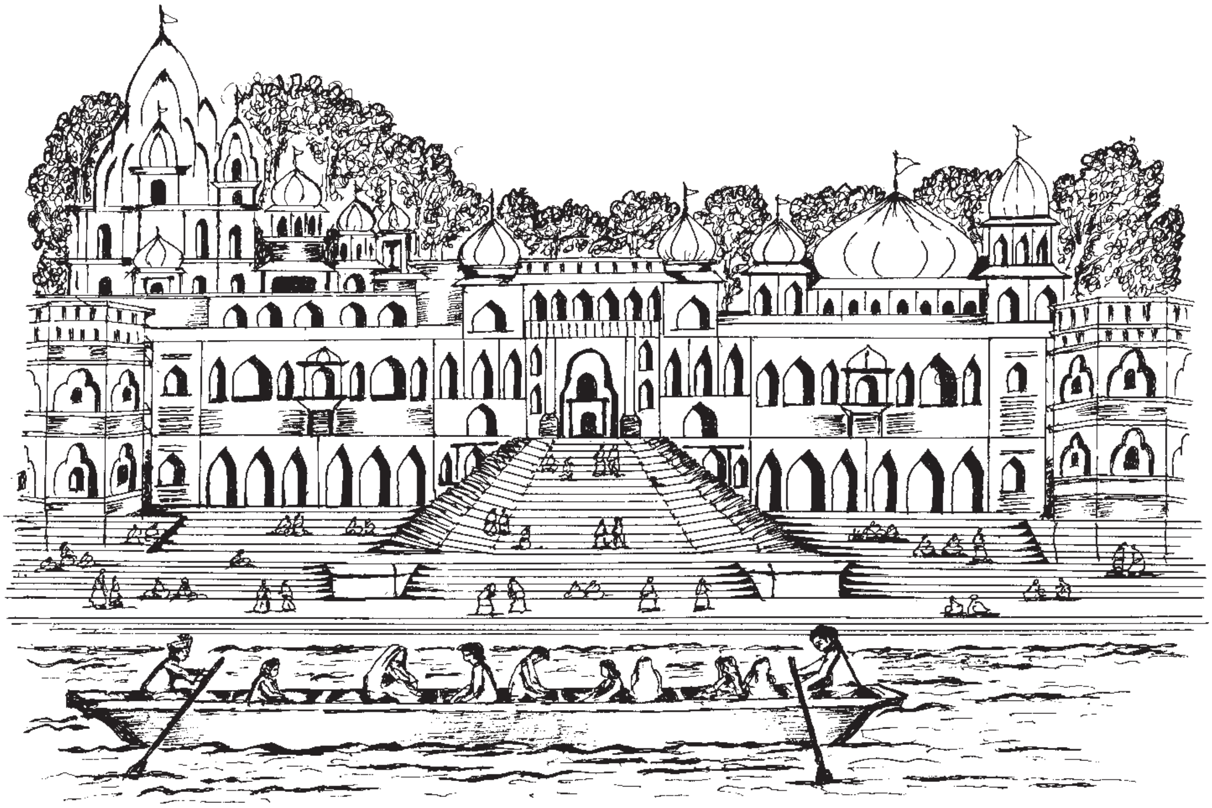

महेश्वर के मंदिर और नर्मदा नदी के घाटों का चित्र

प्रात: और सायंकाल पुण्य सलिला नर्मदा में 'जय नर्मदे मैया' कहते और स्नान करते हुए नर-नारी, मन्दिरों से गूँजती घण्टियों और आरती की मधुर ध्वनि, 'ॐ नम: शिवाय' के मंत्र में डूबा भक्तिमय वातावरण और इतना ही पवित्र प्राकृतिक सौन्दर्य बड़ा मनोहारी है। महारानी अहिल्याबाई को पूरे मालवा की तरह यहाँ भी ''लोकमाता'' के रूप में देखा जाता है। यहाँ घर-घर में उनके चित्र लगे हैं।

महेश्वर धार्मिक पौराणिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक सम्पदा से सम्पन्न है। यहाँ नर्मदा घाटी में पाषाण कालीन सभ्यता के पत्थर के औजार मिले हैं। प्रागैतिहासिक काल के पुरा-अवशेषों से पता चलता है कि उस समय यहाँ के लोग घास-फूस के झोपड़ों में या पेड़ों पर बने घरों में रहते थे। उस समय की पाई गई वस्तुओं में लाल और काले रंग के मिट्टी के बरतनों और घड़ों के टुकड़े प्रमुख हैं। ईसा पूर्व की चौथी सदी से लेकर पहली सदी तक का समय महेश्वर के इतिहास में महत्वपूर्ण है। इस समय के भवनों के अवशेष यहाँ मिले हैं। इन भवनों में ईंटों का प्रयोग किया गया है। उस समय मिट्टी के कलात्मक और सुन्दर घड़े बनाए जाते थे। साँचे में ढली मुद्रा और पत्थर की बनी कई वस्तुएँ यहाँ खुदाई में मिली हैं।

इसके बाद के समय अर्थात् ईसवी सन् 100 से सन् 500 ई. तक महेश्वर का विकास चरमसीमा पर था। मौर्य, सातवाहन और गुप्तकालीन सभ्यता का प्रभाव भी इस नगर पर पड़ा।

अलंकरणयुक्त भवनों का निर्माण इस युग की विशेषता है।

इस समय धातुओं जैसे – सोना, चाँदी, ताँबा, काँसा लोहा आदि का प्रचुर मात्रा में प्रयोग किया गया। महेश्वर में पाए गए पुरा–अवशेषों को कई संग्रहालयों में प्रदर्शित किया गया हैं।

मराठों के शासन काल में महारानी अहिल्याबाई ने यहाँ सुन्दर घाटों, मन्दिरों, धर्मशालाओं, तथा भवनों का निर्माण कराया। उनके काल में महेश्वर का सर्वतोन्मुखी विकास हुआ। एक बात तो मैं भूला ही जा रहा था। यहाँ की बनी रेशमी साड़ियाँ महेश्वरी साड़ियों के नाम से प्रसिद्ध हैं। महेश्वर के बारे में जितना भी लिखूँ, कम है। दीदी और जीजाजी को मेरा चरण स्पर्श कहना। सभी को प्यार।

तुम्हारा मामा

सुबोध

अभ्यास

बोध प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजकर लिखिए –

संस्कृति	--------------	पुरातात्विक	--------------
पुराविद्	--------------	उत्तरदायित्व	--------------
सर्वतोन्मुखी	--------------	पाषाण	--------------
प्रागैतिहासिक	--------------	उत्खनन	--------------
फलक	--------------	अवशेष	--------------
अलंकरण	--------------		

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए –

(क) महेश्वर का प्राचीन नाम क्या है ?

(ख) महेश्वर मध्यप्रदेश के किस जिले में स्थित है ?

(ग) महेश्वर की खुदाई में किस प्रकार की वस्तुएँ प्राप्त हुई हैं ?

(घ) हैहय साम्राज्य की स्थापना किसने की थी ?

(ङ) नर्मदा के तट पर किला और शिव का मन्दिर किसने बनवाया था?

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए -

(क) सहस्त्रार्जुन के वध का क्या कारण था ?

(ख) महारानी अहिल्याबाई के किन-किन कार्यों से महेश्वर प्रसिद्ध हुआ?

(ग) महारानी अहिल्याबाई को 'लोकमाता' के रूप में क्यों याद किया जाता है ?

(घ) पाषाणकालीन सभ्यता के लोग अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करते थे?

प्रश्न 3. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों द्वारा कीजिए -

(नर्मदा, रेशमी, पुरातात्विक, महेश्वर)

(क) महेश्वर की खुदाई में .... महत्व की वस्तुएँ प्राप्त हुई हैं।

(ख) महारानी अहिल्याबाई ने .... में किला और शिव मन्दिर बनवाया था।

(ग) महेश्वर की बनी .... की साड़ियाँ प्रसिद्ध हैं।

(घ) महेश्वर ....नदी के किनारे बसा है।

भाषा-अध्ययन

प्रश्न 1 निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए और वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(आशीर्वाद, सहस्त्रार्जुन, संस्कृति, ऋषि, जमदग्नि, दर्शनार्थी, प्रज्ज्वलित, पुरातात्विक)

प्रश्न 2 निम्नलिखित शब्दों का समास - विग्रह करके, उनके सामने समास का नाम लिखिए-

लोकमाता, मधुर ध्वनि, नर-नारी, विशाल मन्दिर, अखण्ड दीप, महारानी।

प्रश्न 3 निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग छाँटकर लिखिए-

अखण्ड, अवशेष, प्रसिद्ध, अनुशासन, विज्ञान।

प्रश्न 4 निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद कीजिए और उनके सामने सन्धि का नाम लिखिए-

महेश्वर, मनोहर, आशीर्वाद, दर्शनार्थी

प्रश्न 5 निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँटकर लिखिए-

(क) इन्दौर की महारानी अहिल्याबाई ने सुन्दर घाटों, मन्दिरों और धर्मशालाओं का निर्माण कराया था।

(ख) पाषाण कालीन सभ्यता के औजार नर्मदा के घाटों की खुदाई में मिले हैं।

(ग) महेश्वर की सिल्क साड़ियाँ बहुत प्रसिद्ध हैं।

प्रश्न 6 सही जोड़ी बनाइए-

वाक्यांश	**शब्द**
प्राचीन काल से सम्बन्धित	ऐतिहासिक
धर्म से सम्बन्धित	पुरातत्व
संस्कृति से सम्बन्धित	धार्मिक
इतिहास से सम्बन्धित	पौराणिक
पुराणों से सम्बन्धित	सांस्कृतिक

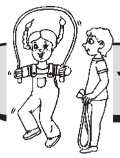

योग्यता विस्तार

1 अपने मित्र को किसी ऐतिहासिक/धार्मिक स्थल से सम्बन्धित जानकारी देते हुए पत्र लिखिए।

2 महेश्वर से सम्बन्धित पौराणिक कथा 'संक्षेप' में लिखिए।

3 इन्दौर की महारानी अहिल्याबाई के सम्बन्ध में अन्य पुस्तकों से भी छाँट कर विशेष जानकारी प्राप्त कीजिए।

4 महान महिलाओं की सूची तैयार कीजिए और प्रत्येक के विषय में संक्षिप्त परिचय लिखिए।